इस्पातत मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या20*

30 नवम्बंर, 2015 को उत्तसर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

***20. डॉ. बंशीलाल महतो**:

श्री पी. नागराजन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में सरकारी क्षेत्र की विभिन्न इस्पात इकाइयों का ब्यौरा क्या है और उनका क्षमता उपयोग कितना है;

(ख) क्या सरकार का विचार सभी सरकारी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण करने का है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रयोजनार्थ संयंत्र-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण परियोजनाओं को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है?

उत्तवर

इस्पानतऔर खान मंत्री (श्री नरेन्द्र□सिंह तोमर)

(क) से (घ): एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

***

“इस्पा त संयंत्रों का आधुनिकीकरण” के बारे में डॉ. बंशीलाल महतो और श्री पी. नागराजन, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 30 नवम्बेर, 2015 के लिए पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्याद*20 के भाग (क) से (घ) के उत्त5र में उल्लिखित विवरण

(क): इस्पा्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन इस्पाघत उत्पा्दन करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के दो उपक्रम हैं जिनके नाम स्टी ल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्री य इस्पा्त निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) हैं। सेल के पास छत्ती सगढ़ में भिलाई इस्पारत संयंत्र , ओडिशा में राउरकेला इस्पाित संयंत्र पश्चिम बंगाल में इस्कोफ इस्पातत संयंत्र मं.बंगाल में दुर्गापुर इस्पा त संयंत्र झारखण्डल में बोकारो इस्पालत संयंत्र नामक 05 एकीकृत इस्पा,त संयंत्र और पं.बंगाल में अलॉय इस्पातत संयंत्र तमिलनाडु में सेलम इस्पाेत संयंत्र, कर्नाटक में विश्वेइश्वरैय्या लौह एवं इस्पालत संयंत्र नामक 03 विशेष इस्पाेत संयंत्र हैं। आरआईएनएल के पास आंध्र प्रदेश में विजाग इस्पालत संयंत्र नामक एक एकीकृत इस्पावत संयंत्र है। वित्तै वर्ष 2014-15 के दौरान सेल का क्षमता उपयोग 79 प्रतिशत और आरआईएनएल का क्षमता उपयोग 113 प्रतिशत रहा।

(ख) से (घ): इस्पाआत एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधादाता तक सीमित है। इस्पाात संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्ताुर संबंधी निर्णय वाणिज्यिक सोच विचार के आधार पर मुख्य त: संबंधित कंपनियों द्वारा लिये जाते हैं। सेल और आरआईएनएल ने आधुनिकीकरण एवं विस्तासर कार्यक्रम शुरू किया है जिसका वित्ता पोषण उनके स्वेयं के स्रोतों से किया जा रहा है। सेल के राउरकेला , इस्कोय़ दुर्गापुर, बोकारो और सेलम इस्पा्त संयंत्र और आरआईएनएल के विजाग इस्पारत संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्तादर का कार्य पूर्ण हो चुका है। भिलाई इस्पाात संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्ताकर कार्य के मा,र्च2016 तक पूरे होने की सम्भाविना है।

***